भारत की विदेश नीति

सिद्धांत, विकास और समकालीन प्रवृत्तियाँ

प्रस्तुतकर्ता: दीपक कुमार

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर (राजनीति विज्ञान विभाग)

शासकीय दिग्विजय स्वायत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव

विदेश नीति: एक परिचय

"विदेश नीति उन सिद्धांतों और रणनीतियों का एक समूह है, जिसके माध्यम से कोई देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए अन्य देशों के साथ अपने संबंधों को संचालित करता है।"

राष्ट्रीय सुरक्षा

आर्थिक विकास

नेहरू युग और पंचशील

- **आदर्शवाद:** जवाहरलाल नेहरू ने भारत की विदेश नीति की नींव 'शांति' और 'सहयोग' पर रखी।
- **गुटनिरपेक्षता (NAM):** शीत युद्ध के दौरान किसी भी सैन्य गुट (USA या USSR) में शामिल न होने का निर्णय।
- **पंचशील (1954):** चीन के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के 5 सिद्धांत:
  1. एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान
  2. अनाक्रमण (Non-aggression)
  3. हस्तक्षेप न करना
  4. समानता और पारस्परिक लाभ
  5. शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व

विदेश नीति के मौलिक सिद्धांत

गुटनिरपेक्षता

स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता और विश्व शांति को बढ़ावा देना। किसी भी गुट के दबाव में न आना।

उपनिवेशवाद का विरोध

एशिया और अफ्रीका के नव-स्वतंत्र देशों की स्वतंत्रता का समर्थन और रंगभेद का कड़ा विरोध।

विश्व शांति

अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और संयुक्त राष्ट्र (UN) के सिद्धांतों में पूर्ण विश्वास।

ऐतिहासिक विकास: एक नजर में

1947-1962

आदर्शवाद का दौर

नेहरूवादी नीतियाँ, पंचशील और हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा।

1965-1990

यथार्थवाद का दौर

सुरक्षा पर जोर, 1971 का युद्ध, और सोवियत संघ के साथ निकटता।

1991-2014

आर्थिक कूटनीति

उदारीकरण, 'लुक ईस्ट पॉलिसी' और परमाणु शक्ति (1998) का उदय।

2014-वर्तमान

सक्रिय कूटनीति

बहु-संरेखण (Multi-Alignment) और वैश्विक शक्ति बनने की ओर।

शीत युद्ध के बाद का परिवर्तन (1990s)

💹 आर्थिक कूटनीति

1991 के उदारीकरण के बाद, विदेश नीति का मुख्य केंद्र 'व्यापार' और 'निवेश' बन गया। भारत ने आसियान (ASEAN) देशों के साथ संबंधों को गहरा करने के लिए **'लुक ईस्ट पॉलिसी'** अपनाई।

⚛ सामरिक स्वायत्तता

1998 में **पोखरण-II** परमाणु परीक्षण ने भारत को एक परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। अमेरिका और इज़राइल जैसे देशों के साथ नए सामरिक संबंध बनने शुरू हुए।

समकालीन विदेश नीति

(2014 - वर्तमान)

"भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला नहीं, बल्कि नियम बनाने वाला देश बनने की ओर अग्रसर है।"

सक्रिय कूटनीति और बहु-संरेखण

- **बहु-संरेखण (Multi-Alignment):** किसी एक गुट का हिस्सा बनने के बजाय, भारत अब अमेरिका, रूस और अन्य शक्तियों के साथ अलग-अलग मुद्दों पर राष्ट्रीय हित के अनुसार संबंध रखता है।
- **ग्लोबल साउथ की आवाज़:** G20 की अध्यक्षता (2023) के दौरान भारत ने विकासशील देशों के मुद्दों को वैश्विक मंच पर प्रमुखता से उठाया।
- **प्रवासी भारतीय (Diaspora):** विदेशों में बसे भारतीयों को भारत की 'सॉफ्ट पावर' के रूप में जोड़ा गया है।

विदेश नीति के निर्धारक तत्व

भूगोल

हिंद महासागर में रणनीतिक स्थिति और पाकिस्तान-चीन के साथ लंबी सीमाएँ सुरक्षा नीतियों को निर्धारित करती हैं।

इतिहास व संस्कृति

शांति, अहिंसा और 'वसुधैव कुटुंबकम्' के प्राचीन मूल्य आज भी कूटनीति का नैतिक आधार हैं।

अर्थव्यवस्था

ऊर्जा सुरक्षा (तेल/गैस आयात) और विदेशी निवेश की आवश्यकता कूटनीतिक संबंधों की दिशा तय करती है।

पड़ोसी पहले (Neighborhood First)

प्राथमिकता: भारत अपने पड़ोसी देशों (नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव) के साथ संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

चुनौतियाँ: पाकिस्तान के साथ सीमा पार आतंकवाद और चीन का बढ़ता प्रभाव क्षेत्र में मुख्य चिंताएँ हैं।

सागर (SAGAR): "क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास" - हिंद महासागर के देशों के साथ समुद्री सहयोग।

प्रमुख सामरिक संबंध

★ रूस (Russia)

भारत का समय-परीक्षित मित्र। रक्षा उपकरणों (S-400, ब्रह्मोस) और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण भागीदार।

🤝 अमेरिका (USA)

21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार। तकनीक, रक्षा (iCET) और व्यापार में गहरा सहयोग।

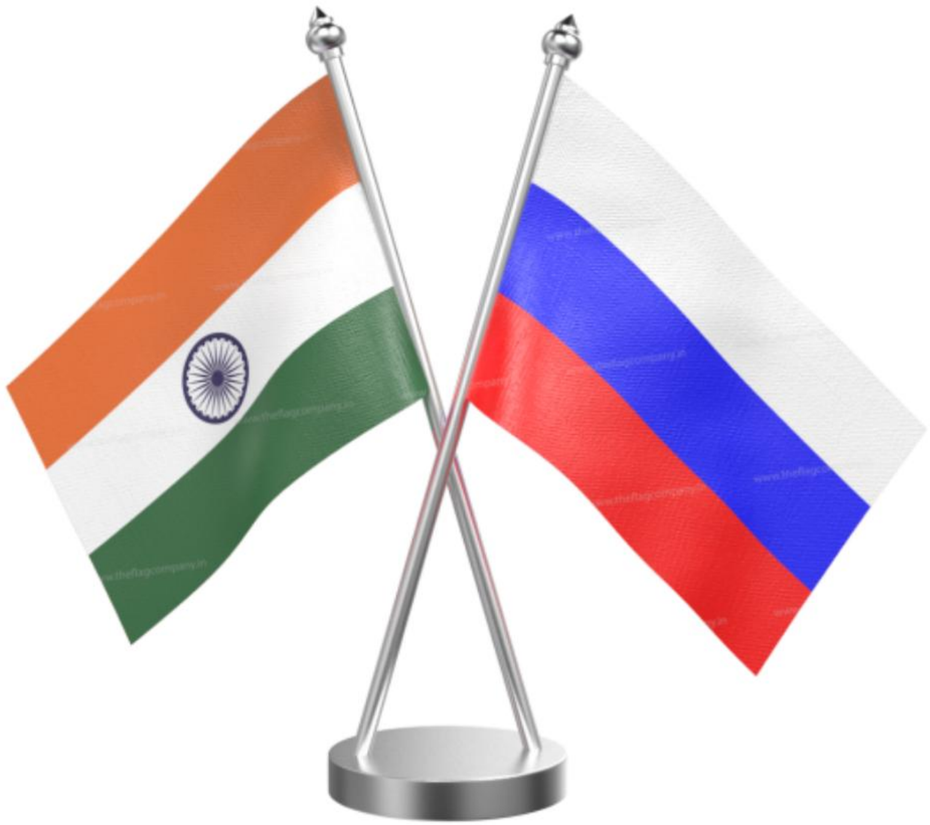

वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका

- **संयुक्त राष्ट्र (UN):** भारत सुरक्षा परिषद (UNSC) में स्थायी सदस्यता का प्रबल दावेदार है और शांति सेना में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।
- **G20 & BRICS:** विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के हितों की रक्षा करना।
- **जलवायु परिवर्तन:** 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' (ISA) का नेतृत्व करके भारत ने पर्यावरण संरक्षण में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।
- **QUAD:** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त और खुले नेविगेशन के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग।

प्रमुख चुनौतियाँ

सीमा सुरक्षा: दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना (चीन और पाकिस्तान) एक निरंतर खतरा है।

ऊर्जा निर्भरता: तेल और गैस के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भरता विदेश नीति के विकल्पों को सीमित करती है।

क्षेत्रीय अस्थिरता: अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों में राजनीतिक संकट का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

निष्कर्ष एवं भविष्य की राह

1

विश्वगुरु की छवि

भारत अपनी 'सॉफ्ट पावर' (योग, संस्कृति) और कूटनीति के माध्यम से वैश्विक शांति में योगदान दे रहा है।

2

आर्थिक शक्ति

5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भारत की वैश्विक मोलभाव क्षमता (Bargaining Power) को बढ़ाएगा।

धन्यवाद

क्या आपके कोई प्रश्न हैं?

दीपक कुमार

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर (राजनीति विज्ञान)

Image Sources

https://media.istockphoto.com/id/543466848/vector/lion-capital-of-ashoka-in-indian-flag-color.jpg?s=612x612&w=0&k=20&c=0lYnoWcnOxBqkoNzkeVCvW_fcHKxy_AOQDQSlR2KwEY=

Source: www.istockphoto.com

---

https://upload.wikimedia.org/wikipedia/commons/d/db/Jawaharlal_Nehru_addressing_the_constituent_assembly_in_1946.jpg

Source: commons.wikimedia.org

---

https://assets.publishing.service.gov.uk/media/64fc609257e884000de127c6/s300_53174838819_242b0e4354_b.jpg

Source: www.gov.uk

---

https://cdn.britannica.com/18/241218-050-98A20349/Locator-map-South-Asia.jpg

Source: britannica.com

---

https://theflagcompany.in/pub/media/catalog/product/cache/39a63107b5c1fe7161ea7ff7fdd76178/r/u/russianfederation_1.png

Source: theflagcompany.in

---

https://img.freepik.com/premium-photo/wide-shot-united-nations-general-assembly-session_14117-1101169.jpg?w=360

Source: www.freepik.com

Image Sources

https://data1.ibtimes.co.in/en/full/647288/indian-army-keeping-vigil-border.jpg?h=450&l=50&t=40

Source: www.ibtimes.co.in

---

https://www.constructionweekonline.in/cloud/2023/05/20/new-parliament-building.jpg

Source: www.constructionweekonline.in